

संख्या
दिनांक
पृष्ठ संख्या

सारीख
दुपहर

दुपहर या कार्यवाही मंत्र इतिहासिका जगत

संख्या व सारीख
संख्या व सारीख
संख्या व सारीख

14/03
22

वसुधा पत्र (प. 1)

मूल वाङ्ग No. -
 Instruction जसिमे स्थापित दोरे से
 पार्थना पत्र का दोरे ओरिष्ठ नही
 है। अतः पार्थना पत्र स्थापित विभा
 जाता है।
 पत्रावली केवल उपर दोरे
 मूल वाङ्ग के आगे नही से तथा
 नम्बर से का दोरे इस्तेमाल उपर हो।

प्रमाण पत्र
 (संख्या 1/03) कलकत्ता